संगोष्ठी माध्यम

संगोष्ठी का आयोजन ऑफलाईन एवं ऑनलाईन दोनो माध्यम से किया जायेगा। जो प्रतिभागी अपना शोधपत्र ऑनलाईन माध्यम से प्रस्तुत करना चाहते हैं उनको रजिस्ट्रेशन फार्म में इंगित करना होगा।

IMPORTANT DATES :

Date of National Seminar	:	16, 17 December 2022 (Friday, Saturday)
Abstract Submission	:	5 December 2022
Full Paper Submission	:	10 December 2022

REGISTRATION FEE :

Delegates	Upto 10 Dec. 2022	On spot
Academician	1000/-	1200/-
Research Scholar & Students	600/-	700/-

नोट : इस शुल्क में बोर्डिंग एवं लॉजिंग शुल्क शामिल नहीं है प्रतिभागी की पसंद के आधार पर गाजियाबाद में भुगतान पर कई प्रकार के होटल / गैस्ट हाउस उपलब्ध हैं। हमारी आयोजन समिति अनुरोध पर आपकी सहायता करेगी।

MODE OF PAYMENT

NEFT/UPI/ONLINE Submission of Registration Fee

Account Name	:	PRINCIPAL MMH COLLEGE, GHAZIABAD
Account Number	:	5308316817
Bank Name	:	CENTRAL BANK OF INDIA
IFSC Code	:	CBIN0283190
Branch	:	MMH COLLEGE, GHAZIABAD

सम्पर्क सूत्र / पत्राचार

- डॉ लक्ष्मी प्रकाश, आयोजन सचिव, 9871717298
- संजीव कुमार सिंह, 9639031206
- शांति कुमारी, 8750570716

इतिहास विभाग, एम.एम.एच कॉलेज,
गाजियाबाद – 201009 (उत्तर प्रदेश)
seminar.history.mmh@gmail.com
https://mmhcollegeghaziabad.com

आयोजन समिति सदस्य

- प्रो0 आभा दूबे
- डॉ उत्तम कुमार
- डॉ कामना यादव
- डॉ राकेश राणा
- डॉ अल्का व्यास
- डॉ मनोज कुमार
- डॉ इनाम उर रहमान

REGISTRATION FORM

Click the Google form link or Scan the following QR Code to Fill the Registration Form & Pay Registration Fee

Click here for GOOGLE FORM

राष्ट्रीय संगोष्ठी
National Seminar

16 एवं 17 दिसम्बर 2022

वर्तमान परिपेक्ष्य में भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता

RELEVANCE OF INDIAN CULTURE IN CONTEMPORARY PERSPECTIVE

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली द्वारा संपोषित एवं
इतिहास विभाग, एम.एम.एच. कॉलेज
गाजियाबाद द्वारा आयोजित

मुख्य संरक्षक
प्रो0 संगीता शुक्ला
कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

संरक्षक
प्रो0 पीयूष चौहान
प्राचार्य, एम. एम. एच. कॉलेज, गाजियाबाद

संयोजक
प्रो0 वंदना सेमल्टी
प्रभारी, इतिहास विभाग, एम. एम. एच. कॉलेज, गाजियाबाद
प्रो0 ईशा शर्मा
इतिहास विभाग, एम. एम. एच. कॉलेज, गाजियाबाद

आयोजन सचिव
डॉ लक्ष्मी प्रकाश
एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, एम. एम. एच. कॉलेज, गाजियाबाद

राष्ट्रीय संगोष्ठी

National Seminar

on

16 एवं 17 दिसम्बर 2022

वर्तमान परिपेक्ष्य में भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता

RELEVANCE OF INDIAN CULTURE IN CONTEMPORARY PERSPECTIVE

आमंत्रण

इतिहास विभाग, एम.एम.एच. कॉलेज, गाजियाबाद द्वारा आयोजित एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा संपोषित "वर्तमान परिपेक्ष्य में भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आपका हार्दिक स्वागत करते हुए हमें अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है।

महाविद्यालय परिचय

इस शिक्षण संस्था का बीजारोपण गुरु पिताजी महाराज के नाम से प्रसिद्ध कर्मवीर संत श्री श्री भवानंद गिरि के कर कमलों द्वारा प्राइमरी पाठशाला के रूप में हुआ। सन् 1948 में संस्था को बी.ए. एवं बी.कॉम. पाठयक्रमों के लिए आगरा विश्वविद्यालय, आगरा से संबद्ध डिग्री कॉलेज की मान्यता प्राप्त हुई। सन 1958 में और उसके उपरांत महाविद्यालय के संस्थापक श्री गुरु पिता जी महाराज और संस्थापक सचिव स्वर्गीय श्रीमती रमावती भटनागर जी की चिरपोषित हार्दिक महत्वाकांक्षा तब पूर्णरूपेण फलीभूत हुई, जब महाविद्यालय एम.ए., एम.कॉम. एवं एम.एस. सी. पाठयक्रमों की अनुमति के उपरान्त स्नातकोत्तर स्तर पर जा पहुंचा और अब यह चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबद्ध प्रथम श्रेणी के महाविद्यालय के रूप में पठन–पाठन की गतिविधियों के साथ निरंतर गतिशील है। संस्था में 12,000 से अधिक विद्यार्थी संस्थागत एवं व्यक्तिगत रूप से पंजीकृत हैं, महाविद्यालय ने शैक्षिक, शोध, क्रीडा, सांस्कृतिक क्रियाकलापो तथा अन्य क्षेत्रों में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की है, महाविद्यालय में सभी संकायों में स्नातकोत्तर एवं शोध की सुविधा उपलब्ध है। महाविद्यालय के पास पठन–पाठन की सुविधा से युक्त सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें 1,35,479 पुस्तकें हैं। महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य केन्द्रीय एवं राज्य संस्थाओं द्वारा द्वारा कला, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विषयों पर वृहत शोध परियोजनाएं चल रही हैं। सन् 1998–99 मे महाविद्यालय ने अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया। महाविद्यालय इस वर्ष अपनी स्थापना का 75वाँ वर्ष (हीरक जयंती) बना रहा है और साथ ही महाविद्यालय को वर्ष 2015 में नेक द्वारा प्रत्यायित (एक्क्रेडिटड) किया गया था।

संगोष्ठी की अवधारणा

संस्कृति शब्द स्वयं आप में एक शब्दकोश के समान है, जो अपने अंदर अनेक गुणों तथा मानवीय मूल्यों को समाहित किए हुए हैं। संस्कृति के अर्थ एवं आकार को शब्दों की सीमा में नहीं बांधा जा सकता है। भारतीय संस्कृति के संचित ज्ञानकोष में अनेक महान साहित्यिक रचनाये, आध्यात्मिक वाणी, योग साधना, भाषा विज्ञान, ज्योतिष, अंक गणित एवं विज्ञानं की समृद्ध परम्पराये निहित है। आज विश्व जब विषमताओं का शिकार हो रहा है, तब भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। इस संगोष्ठी की अवधारणा मूल रूप से राष्ट्र को सांस्कृतिक रूप से सशक्त करने की है। संगोष्ठी का ददेश्य वर्तमान परिपेक्ष में भारतीय संस्कृतिक मानव कल्याण एवं मानवीय मूल्यों को पुनः स्थापित करना है, इसकी अवधारणा में समस्त मानवता का विकास एवं कल्याण निहित है जो विश्व पटल पर भारत के भविष्य को सुरक्षित एवं संरक्षित करता है ।

संगोष्ठी का उद्देश्य एवं उपयोगिता

भारतीय संस्कृति में जो आधुनिक विभिन्नता उत्पन्न हुई है, उनका स्पष्टीकरण संगोष्ठी का उद्देश्य है। संगोष्ठी की उपयोगिता भारतीय संस्कृति की पुर्नस्थापना में है, क्योंकि विश्व परिदृश्य में जिन समस्याओं का मानव सामना कर रहा है, उनका समाधान तत्वरूपेण भारतीय संस्कृति विधाओं में उपलब्ध है। युवा पीढ़ी जिस आधुनिकता को आत्मसात कर रही है, जिसके परिणाम स्वरूप मानवीय मूल्यों का हास प्रारंभ हुआ है, उस पर विचार मंथन एवं निवारण संगोष्ठी की उपयोगिता सिद्ध करता है। भारतीय संस्कृति में सत्य, अहिंसा, दया एवं क्षमा सनातन काल से उपयोगी थी, है एवं रहेगी। यह हमारे पूर्वजों की बाणी है

संगोष्ठी का विषय

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता "Relevance of Indian culture in contemporary perspective"

उप विषय

1. प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपराएं : वैदिक गणित, ज्योतिष विज्ञान, चिकित्सा, आयुर्वेद, योग एवं आध्यात्म। (Ancient Indian knowledge system: Vedic Mathematics, Astrology, Medical, Ayurveda, Yoga and spirituality.)
2. प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति : विविध आयाम। (Ancient Indian Education system: Various Aspect)
3. भारतीय संस्कृति का पक्षः मूर्तिकला, शिल्पकला, स्थापत्यकला, चित्रकला, संगीत एवं नृत्य कला। (Aspects of Indian Culture: Sculpture art, Architecture, Painting, Music and Art of Dance.)
4. प्राचीन भारतीय संस्कृति में राजनीति और अर्थव्यवस्था। (Economy and political system in Ancient India.)
5. प्राचीन भारत में न्याय प्रणाली। (Judicial system in Ancient India.)
6. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं विभिन्न धार्मिक संप्रदाय। (Ancient Indian Culture and various religious sects.)
7. प्राचीन भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति। (Status of women in ancient Indian society.)
8. भारतीय संस्कृति की अभिव्यक्ति के विविध आधार : भाषा, साहित्य एवं संचार। (Diverse basis of Indian cultural expression: language, literature and communication)
9. प्राचीन भारतीय संस्कृति की पारिस्थितिकीय व्यवस्था। (Ecological system of ancient Indian culture.)
10. पुरातत्व और संस्कृति :आस्था और इतिहास। (Archeology and culture: faith and history.)
11. भारतीय संस्कृति की पुरातात्विक संरचना। (Archeological structure of Indian culture.)

शोधपत्र एवं सार

शोधपत्र अंग्रेजी/हिन्दी में स्वीकार किये जायेंगे। शोधपत्र 2000–2500 शब्दों में सीमित होना चाहिये। प्रविष्टी हेतु लेखक को एक सार **(Abstract)** 'एमएस–वर्ड, अंग्रेजी में टाइम्स न्यू रोमन (साइज 12) और हिंदी में कृति देव 010 (साइज 16) में डबल स्पेस में टाइप करके ईमेल द्वारा भेजना होगा। चयनित शोधपत्र आईएसबीएन नंबर के साथ पुस्तक के रूप में प्रकाशित किए जाएंगे।